राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, परेल, मुंबई

(भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद) एवं

बृहन्मुंबई महानगर पालिका, मुंबई

का संयुक्त उपक्रम

" यौन संचरित संक्रमण तथा गर्भाशय मुख का कर्करोग के बारे में मुंबई के नागरी बस्तीयों में रहनेवाले शादीशुदा जोडीयों के ज्ञान एवं स्वास्थ सुविधा पाने के वर्तम नें सुधारलाने हेतु अभ्यास "

प्रजनन मार्ग और यौन संचरित संक्रमण
(आर.टी.आय्/ एस.टी.आय्)

प्रजनन मार्ग / यौन संचरित संक्रमण के विषयपर संदेश।

१. प्रजनन मार्ग और यौन संचरित संक्रमण के विषयपर सही जानकारी के लिये नजदीक के स्वास्थ केन्द्र या डॉक्टर से संपर्क किजिये।

२. यदी पती या पत्नी यौन संचरित संक्रमण से पिडीत है तो पुर्न:संक्रमण से बचने के लिये आप अपनी और अपने साथी की डॉक्टर से चिकित्सा करा लिजिये और जरूरत होने पर इलाज किजिये।

३. यौन संचरित संक्रमण से बचने के लिये निरोध का इस्तेमाल किजिये और जरूरत होने पर समुपदेशक से मिलिये।

४. यौन संचरित संक्रमण से पिडीत व्यक्ती को एच.आय.व्ही. का संक्रमण होने की जादा संभावना होती है।

५. प्रजनन मार्ग और यौन संचरित संक्रमण के विषय पर बिना शरम और बिना डर वार्तालाप किजिये।

प्रजनन मार्ग की बिमारीयाँ क्या होती है?

प्रजनन मार्ग की बिमारियाँ यह भी एक तरह की यौन बिमारीयाँ होती है। महिला का गर्भाशय, गर्भनलिका, योनि का बाहरी अंग, योनि, गर्भाशय मुख और अंडाशय यह प्रजनन अंग इन बिमारीयों में संक्रमित होते है। बिजांडकोष, बीजवाहक नलिका, गर्भाशय मुख और गर्भाशय इन प्रमुख प्रजनन अंगो को जंतु संक्रमण होना यह भी एक 'पेल्व्हीक इनप्लामेटरी डिसीज '(PID) नाम की प्रजनन मार्ग की बिमारी है, जिसमे पेट के निचले हिस्से में सुजन आती है। इन बिमारीयों से हमेशा के लिये बांझपन होने की संभावना होती है तथा पैदा होने वाले बच्चे को भी उसका संक्रमण हो सकता है।

प्रजनन मार्ग की बिमारीयाँ तीन मार्ग से प्रभावित होती है।

अ. बाहरी अंगोपर दिखनेवाली बिमारीयाँ - यौन अंगोपर होने वाली बिमारीयाँ

ब. आंतरीक बिमारीयाँ - वैद्यकिय प्रक्रिया द्वारा होने वाली बिमारीयाँ

क. यौन सम्बन्ध द्वारा फैलनेवाली बिमारीयाँ - संभोग द्वारा फैलनेवाली बिमारीयाँ

यौन सम्बन्धद्वारा फैलनेवाली बिमारीयाँ क्या होता है?

व्यक्ति व्यक्तिओं में यौन सम्बन्ध द्वारा फैलनेवाले जंतु संक्रमण से जो संक्रमित बिमारीयाँ होती है उसे यौन की बिमारीयाँ कहते है। यह बिमारी अतिसुक्ष्म जंतुद्वारा होती है। इस जंतुओं को विषाणु या जीवाणु कहते है। अलग अलग प्रकार के विषाणु तथा जीवाणु द्वारा यौन की बिमारीयाँ होती है। एक से अधिक व्यक्ती से यौन सम्बन्ध रखनेवाले व्यक्ती को तथा यौन बिमारी से पिडीत व्यक्ती के साथ सम्बन्ध रखनेवाले निरोगी व्यक्ति को भी इस बिमारी का संक्रमण होने का अधिक